खबर संक्षेप

प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ युवक गिरफ्तार

शहडोल। जिले के पपौंध थाना पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए एक युवक को प्रतिबंधित दवा की अवैध बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम पौंढ़ निवासी रमेश उर्फ गुड्डा जायसवाल उम्र 25 वर्ष सफेद रंग की एक्टिवा स्कूटी पर प्रतिबंधित ओनरेक्स कफ सिरप लेकर घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपी की स्कूटी की डिक्की से 10 नग ओनरेक्स कफ सिरप बरामद किए गए, जिनकी कीमत लगभग 2,150 रुपये बताई गई। इसके साथ ही करीब 40 हजार रुपये मूल्य की स्कूटी भी जब्त की गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह यह प्रतिबंधित सिरप अवैध रूप से बेचने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी रमेश उर्फ गुड्डा जायसवाल को एनडीपीएस एक्ट एवं मध्यप्रदेश ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि. बृजेंद्र मिश्र के नेतृत्व में सउनि. मदन सिंह, आरक्षक विजय कुमार, अजय वर्मा और पुपेंद्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

अमानक ब्रेकर बने खतरा, दो दिन में तीन हादसे

शहडोल। जिले के नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 21 और 22 के बीच सिंहपुर रोड से नरसरहा होते हुए ग्रीन सिटी मार्ग तक सडक़ पर बनाए गए अवैध

और अमानक ब्रेकर अब हादसों की वजह बन रहे हैं। मोहल्ले के कुछ दुकानदारों ने अपनी सुविधा के लिए मनमर्जी से ये ब्रेकर तैयार करवा दिए, जो अब आम लोगों की जान के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। महज 100 मीटर की दूरी पर दो ऊंचे और खतरनाक ब्रेकर बना दिए गए हैं। शनिवार सुबह करीब 11 बजे लक्ष्मी सिंह नामक महिला अपनी दो वर्षीय बच्ची अन्वी के साथ स्कूटी से गुजर रही थीं। जैसे ही वे ब्रेकर पर पहुंचीं, वाहन का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सडक़ पर जा गिरे। हादसे में बच्ची के सिर में गंभीर चोट आई और महिला के हाथ-पैर भी बुरी तरह घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां बच्ची का इलाज जारी है। यह पहली घटना नहीं थी। इससे दो दिन पहले नरसरहा निवासी शुभम यादव इसी ब्रेकर की वजह से गंभीर रूप से घायल हो गया था। बाइक का संतुलन बिगडऩे से युवक सडक़ पर जा गिरा और सिर के साथ हाथ-पैर व पीठ पर गहरी चोटें आईं। उसे भी अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। स्थानीय लोग बताते हैं कि दो दिन में ही तीन से अधिक हादसे हो चुके हैं। लोगों का आरोप है कि यह ब्रेकर न तो नगर पालिका की अनुमति से बने हैं और न ही यातायात विभाग के मानकों के अनुरूप। कुछ दुकानदारों (जिनमें शंभु की दुकान प्रमुख बताई जा रही है) ने अपने हित में इन्हें बनवा दिया है। इसके बावजूद अब तक न तो नगरपालिका और न ही ट्रैफिक विभाग ने कोई जांच या कार्रवाई की है। ग्रामीणों और मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इन अवैध ब्रेकरों को नहीं हटाया गया तो यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। जनता की मांग है कि जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए और भविष्य में ब्रेकर केवल यातायात विभाग की अनुमति और मानक अनुसार ही बनाए जाएं। तभी सडक़ सुरक्षा सुनिश्चित होगी और निर्दोष लोगों की जान खतरे से बचेगी।

जेडी पर गहराते सवाल

शहडोल की फाइलें दबाकर डिंडोरी में सक्रिय

ठेकेदारों से करीबी के आरोप

शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक उमेश कुमार धुर्वे इन दिनों आरोपों और चर्चाओं के घेरे में हैं। शहडोल में पदस्थ होने के बावजूद पिछले कुछ दिनों से वे लगातार डिंडोरी में सक्रिय देखे जा रहे हैं।

शहडोल।

सूत्रों के अनुसार, उन्हें सरकारी वाहन के साथ थानों, वकीलों के दफ्तरों और यहां तक कि न्यायालय परिसर में भी देखा गया। सवाल उठ रहा है कि आखिर एक जिम्मेदार अधिकारी शहडोल की फाइलें छोडक़र डिंडोरी में किन कारणों से व्यस्त हैं। इस बीच, उन पर शहडोल जिले के बहुचर्चित पेंट घोटाले की जांच फाइल दबाने और मामले को ठंडे बस्ते में डालने के भी गंभीर आरोप हैं।

डिंडोरी में अचानक सक्रियता ने बढ़ाई चर्चा

संयुक्त संचालक धुर्वे के डिंडोरी में अचानक सक्रिय हो जाने से शिक्षा विभाग में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या उन्होंने शहडोल से छुट्टी ली है, या फिर अपनी जिम्मेदारियां किसी और को सौंपकर निजी कामों में सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि धुर्वे पिछले दो-तीन दिनों से लगातार डिंडोरी में देखे जा रहे हैं और सरकारी वाहन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सरकारी वाहन पर सवाल

श्री धुर्वे के डिंडोरी प्रवास के दौरान उनके साथ सरकारी वाहन एमपी 17 पंजीयन क्रमांक का लगातार देखा जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। वाहन के ईंधन, रख-रखाव, चालक के वेतन और भत्तों का खर्च शासन की ओर से उठाया जा रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि जब वाहन विभागीय कार्यों के लिए आवंटित है तो, उसे निजी प्रयोजनों या व्यक्तिगत मुकदमों में क्यों लगाया जा रहा है।

पेंट घोटाले की फाइल दबाने का आरोप

श्री धुर्वे पर सबसे गंभीर आरोप शहडोल के बहुचर्चित पेंट घोटाले से जुड़ा है। सूत्रों का कहना है कि इस घोटाले की जांच फाइल उन्हें सौंपी गई थी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी उन्होंने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि फाइल को दबाकर मामले को तोड़-मरोडक़र पेश करने और दोषियों को बचाने की कोशिश की गई। बताया जाता है कि यह घोटाला केवल सक्कन्दी या निपानिया विद्यालय तक सीमित नहीं है बल्कि दर्जनों विद्यालय इस दायरे में आ सकते हैं। यह मामला मात्र लाखों रुपये या 2-4 लीटर पेंट और 168 मजदूरों तक का नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये के हेरफेर का हो सकता है। शायद यही वजह है कि फाइल को दबाकर मामले को ठंडा करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

आपराधिक मामले की आहट

डिंडोरी में श्री धुर्वे के खिलाफ एक शिकायत दर्ज होने की चर्चा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह खबर है कि मामला न्यायालय तक पहुंच चुका है। यदि उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज होता है तो, यह न केवल शिक्षा विभाग के लिए शर्मनाक होगा बल्कि विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करेगा।

ठेकेदारों से करीबी के आरोप

शिक्षा विभाग की योजनाओं और निर्माण कार्यों में हुई गड़बडिय़ों पर भी श्री धुर्वे पर उंगली उठ रही है। सूत्र बताते हैं कि उनकी सुधाकर कंस्ट्रक्शन और जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची सहित कई ठेकेदारों से करीबी रही है। ब्यौहारी विकासखंड के दर्जनभर विद्यालयों में करोड़ों रुपये खर्च हुए, लेकिन जांच आगे नहीं बढ़ सकी। आरोप है कि इन मामलों को जानबूझकर दबाया गया ताकि ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई न हो।

पूर्व में भी लगे भ्रष्टाचार के आरोप

यह पहला मौका नहीं है जब उमेश धुर्वे पर सवाल खड़े हुए हों। बताया जाता है कि जब वे जिला शिक्षा अधिकारी और अन्य पदों पर रहे, तब भी छात्रावासों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। हालांकि, तब मामला कमिश्नरी स्तर पर ही निपटा लिया गया और कार्रवाई होते-होते मामला दबा दिया गया।

जनता की नाराजगी और मांग

जिले के जागरूक नागरिक और शिक्षा प्रेमी अब खुलकर मांग कर रहे हैं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। पेंट घोटाले की फाइलें सार्वजनिक की जाएं और पूरे मामले को पारदर्शिता से उजागर किया जाए। यदि धुर्वे दोषी पाए जाते हैं तो उन पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर पद से हटाने और भ्रष्टाचार की राशि

की रिकवरी की कार्रवाई हो। संयुक्त संचालक उमेश धुर्वे पर लग रहे आरोप फिलहाल जांच और पुष्टि का विषय हैं, लेकिन विभाग की छवि को जो आंच पहुंची है, वह गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की है, लेकिन शीर्ष अधिकारी पर लगे आरोपों ने पूरे सिस्टम पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। अब नजरें जिला प्रशासन और सरकार पर हैं कि वे कब तक और क्या ठोस कदम उठाते हैं।

शहडोल की बदलती राजनीतिक धुरी संगठन और सत्ता का नया समीकरण

शहडोल।

किसी भी जिले की दिशा केवल नौकरशाही से तय नहीं होती, बल्कि सत्ता और संगठन के बीच तालमेल ही यह निर्धारित करता है कि फैसलों का केंद्र कहां होगा। शहडोल की राजनीति में भी अब यही तस्वीर उभरकर सामने आ रही है। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें इस नए समीकरण का प्रमाण मानी जा रही हैं। इन तस्वीरों में मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, वरिष्ठ नेता अमित मिश्रा और संगठन के पुराने कार्यकर्ता दौलत मनमानी नजर आ रहे हैं। यह चौकड़ी अब जिले में सत्ता और संगठन की नई धुरी के तौर पर देखी जा रही है। पूर्व जिला अध्यक्ष कमल प्रताप सिंह के कार्यकाल में राजनीतिक और प्रशासनिक नियंत्रण अलग-अलग हाथों में माना जाता था। लेकिन अमिता चपरा के जिला अध्यक्ष बनने के बाद यह परिदृश्य बदल गया है। कभी जिनके मतभेद चर्चा का विषय रहे, आज वही नेता मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा कर तालमेल और एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह तस्वीरें महज औपचारिकता नहीं, बल्कि ठोस संकेत हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा इन्हें सोशल मीडिया पर साझा करना इस बात की पुष्टि करता है कि संगठन अब सत्ता पर निर्णायक पकड़ रखता है और परोक्ष रूप से प्रशासन पर भी उसका प्रभाव बढ़ा है। इन तस्वीरों में मौजूद नेता भी खास महत्व रखते हैं। दौलत मनमानी और अमित मिश्रा जैसे कार्यकर्ताओं ने दो से ढाई दशक तक पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती दी है। उनकी पकड़ और अनुभव अब नए नेतृत्व के साथ मिलकर संगठन और सत्ता को स्थायित्व देने का काम कर रहे हैं। परिस्थिति यह भी बताती है कि जिले में भाजपा के केंद्रीय नेताओं के प्रभाव से अधिक संगठन और स्थानीय नेतृत्व की छवि मजबूत हुई है। प्रशासनिक अधिकारी भी यह समझने लगे हैं कि विकास कार्यों और फैसलों को आगे बढ़ाने के लिए संगठन की अनदेखी अब संभव नहीं है। संक्षेप में कहा जाए तो शहडोल में भाजपा की धुरी बदल चुकी है। संगठन और सत्ता का यह साझा समीकरण न केवल आने वाले दिनों की राजनीति की झलक दिखा रहा है, बल्कि यह भी स्पष्ट कर रहा है कि विकास और प्रशासन से जुड़े फैसले उन्हीं हाथों में सिमटेंगे जो मुख्यमंत्री के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

बराछ का झिरिया टोला आज भी विकास से कोसों दूर मूलभूत सुविधाओं के बिना जी रहे दो सौ परिवार

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत ब्योहारी के अंतर्गत आने वाला ग्राम पंचायत बराछ का झिरिया टोला वार्ड क्रमांक-01 आज भी 21वीं सदी में मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। आदिवासी बहुल यह बस्ती वर्षों से बिजली, सडक़ और पानी जैसी बुनियादी जरूरतों की राह ताक रही है। यहां के करीब दो सौ परिवार आज भी अंधेरे में जीवनयापन करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि झिरिया टोला में अब तक बिजली के खंभे तो गाड़े गए, लेकिन उनमें तार नहीं डाले गए। कई परिवार बांस-बल्ली गाडक़र दूर से तार खींचकर किसी तरह लाइट का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन यह असुरक्षित और अस्थायी इंतजाम है। स्थानीय लोग विधायक शरद कोल और बिजली विभाग को दर्जनों बार लिखित और मौखिक रूप से अवगत करा चुके हैं, किंतु समस्या जस की तस बनी हुई है। बिजली के साथ-साथ यहां सडक़ व्यवस्था भी बदहाल है। गांव तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सडक़ नहीं है। बरसात के दिनों में झिरिया टोला पूरी तरह मुख्य गांव से कट जाता है। कीचड़ और गड्ढों से भरे रास्तों से गुजरना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। वहीं पीने के पानी की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पंचायत स्तर से लेकर जिले के जिम्मेदार अधिकारियों तक को समस्या बताई गई, लेकिन अब तक किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। चुनाव आते ही नेता बड़े-बड़े वादे करते हैं, परंतु चुनाव के बाद क्षेत्र को भुला दिया जाता है। यही कारण है कि आदिवासी बाहुल्य यह बस्ती विकास की मुख्यधारा से आज भी कोसों दूर है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बिजली, सडक़ और पानी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। झिरिया टोला की इस बदहाल स्थिति ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर विकास के दावों के बीच आदिवासी इलाकों की तस्वीर क्यों नहीं बदल पा रही है।

शिक्षक राष्ट्र निर्माण के ध्वज वाहक: सनबीम कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह

अमलाई। शिक्षक दिवस के अवसर पर सनबीम कॉन्वेंट स्कूल में भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्र सिंह ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण का वास्तविक ध्वजवाहक बताया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षण को आधुनिक स्वरूप देने के साथ-साथ अध्यापन में गुणवत्ता को प्राथमिकता दी गई है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों से भी प्रेरित करते हैं और समाज में उनका योगदान अविस्मरणीय है। श्री सिंह ने सनबीम कॉन्वेंट स्कूल की सराहना करते हुए कहा कि यहां के शिक्षकों के सतत प्रयास से विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यालय के कई छात्र सैनिक स्कूलों में चयनित हुए हैं, वहीं चिकित्सा और इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी सनबीम के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर तबकों से आने वाले छात्र भी यहां मेहनत और मार्गदर्शन से जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचे हैं। विद्यालय की डायरेक्टर प्रमा वर्मा को जितेन्द्र सिंह ने विशेष बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व और अथक प्रयासों से सनबीम कॉन्वेंट स्कूल आज अनूपपुर जिले में उत्कृष्ट शिक्षा का पर्याय बन चुका है। उन्होंने शिक्षकों की मेहनत और समर्पण को विद्यालय की सफलता की असली पूंजी बताया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने यह भी उल्लेख किया कि सनबीम के छात्र न केवल बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम देते हैं, बल्कि खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन करते हैं। शिक्षक सम्मान के इस कार्यक्रम में डायरेक्टर प्रमा वर्मा के साथ-साथ कातायनी वर्मा और हर्षित श्रीवास्तव ने शिक्षकों को स्मृति चिन्ह और शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षक मनीष सिंह, भविता शिबी मिश्रा, लोकेश सिंह, के. के. वर्मा, अमित मिश्रा, श्यामकरण यादव, दिव्या सोनी, भारती साहू, आशा पटेल, रजनी सिंह, छाया यादव, रंजन पटेल, आशिष पटेल, पूजा वशिष्ट और युवराज सिंह सहित अनेक शिक्षकों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। समारोह का वातावरण पूर्णतः गरिमामय और प्रेरणादायी रहा। अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और संकल्प लिया कि आगे भी सनबीम कॉन्वेंट स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

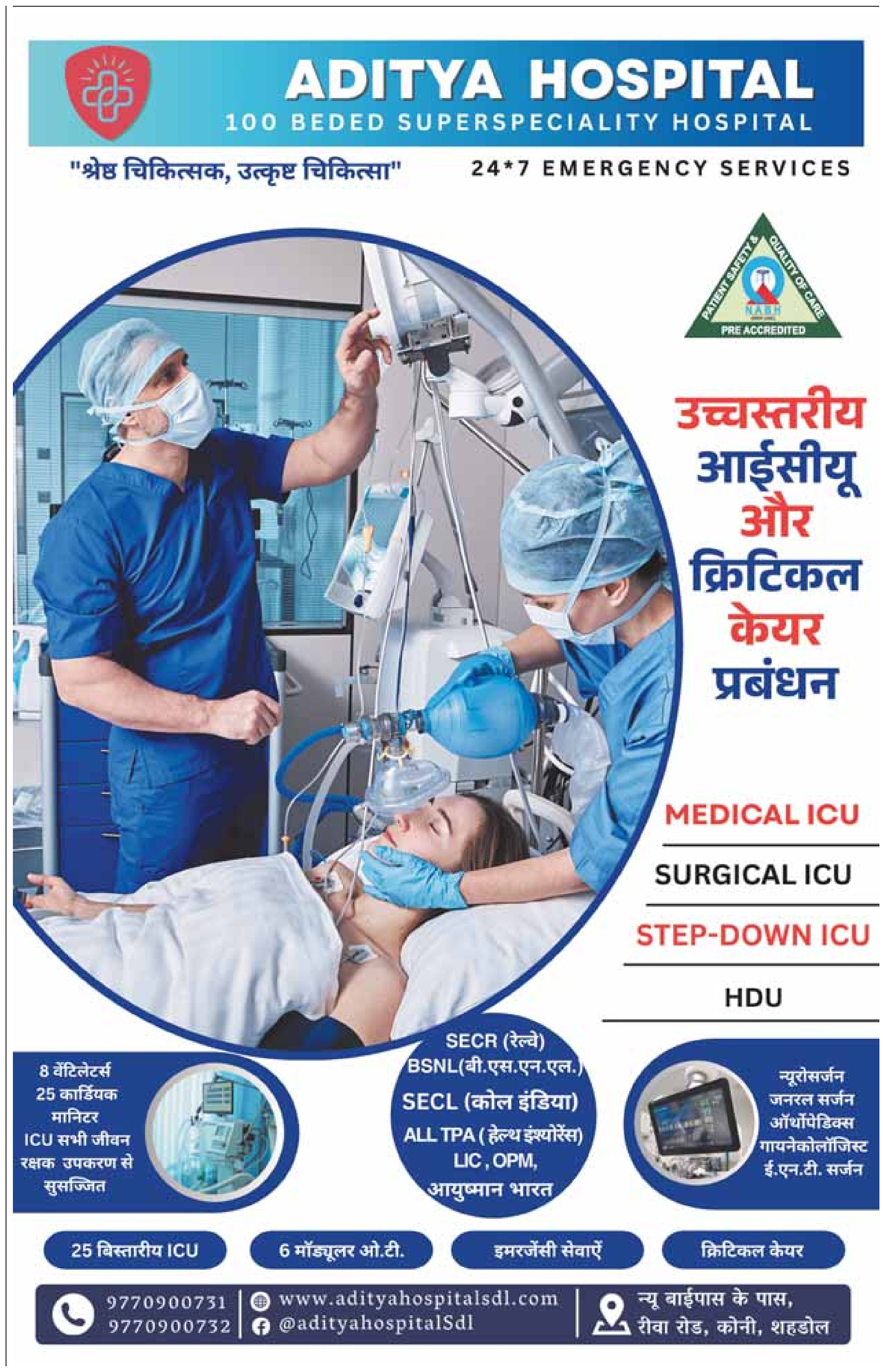

खबर संक्षेप

पीएमजनमन, धरती आबा के तहत किया जाएगा शिविरों का आयोजन

उमरिया। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए हितग्राही मूलक योजनाओं का सेचुरेशन कैंप आयोजित किया जाना है।

सी ई ओ जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि विकासखंड स्तर पर 10 एवं 11 सितंबर को गावों में कैंप का आयोजन कर शेष बैकलॉग कार्ड शत प्रतिशत बनाना सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर में विकास खंड स्तर से अवश्यकतानुसार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रतिदिन बीपीएम सायं 5 बजे तक रिपोर्ट संधारित कर जिला स्तर पर भेजना सुनिश्चित करेगें। उन्होंने बताया कि करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत सस्तरा , चिरूहुला, ग्राम पंचायत डोडका, मानपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बिजौरी, अमिलिया तथा पाली विकासखंड के ग्राम पंचायत घुनघुटी एवं करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत धनवार, ग्राम पंचायत ताला में शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने समस्त मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए है कि अपने विकासखंड अंतर्गत आने वाले समस्त गांवों में निवासरत वंचित जनजातीय हितग्राहियों की पहचान कर मैदानी कार्यकर्ता जैसे कि एएनएम, आशा पर्यवेक्षक, आशा कार्यकर्ताओं से समन्वय कर उन्हें चिन्हित कर शिविर तक लाने, शिविर में लाभ दिलाने जाने व उनकी सूची कार्यालय में प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

16 सितंबर को ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति मानपुर की बैठक

उमरिया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि जिला अग्रणी बैंक स्कीम के अंतर्गत बी एल बी सी की बैठक का आयोजन मानपुर जनपद पंचायत कार्यालय मानपुर सभाकक्ष में 16 सितंबर को सायं 4.30 बजे से आयोजित की गई है। उन्होने कहा है कि ब्लॉक में कार्यरत सम्बन्धित सभी बैंको के शाखा प्रबंधक एवं विभाग प्रमुख समस्त जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें, जिससे की बैठक सार्थक एवं उद्देश्य पूर्ण हो सके ।

विद्युत नगरी के कृतांत ने साउथ कोरिया में शोध पत्र का किया वाचन

हरिभूमि न्यूज चचाई। विद्युत नगरी चचाई के कृतांत मिश्रा ने साउथ कोरिया की राजधानी सियोल में विगत 5 सितंबर को एक शोध पत्र का वाचन किया यह शोध कृतांत मिश्रा ने स्वयं किया है जिसका विषय था "मेटाबोलिक हेल्थ एवं ओबेसिटी के लिए एशिया को क्यों अपने स्वयं के हेल्थ फ्रेमवर्क की आवश्यकता है। यह शोध विशेष रूप से भारत एवं दक्षिण कोरिया के संबंध में था इस प्रकार के शोध पत्र से साउथ कोरियन सरकार एवं भारत सरकार को अपने-अपने क्षेत्र में मेटाबोलिक हेल्थ एवं ओबेसिटी की नीति बनाने में मददगार साबित होगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र के प्रकाशन से दोनों देशों की सरकारों को अपने-अपने स्वास्थ्य नीति बनाने में काफी मदद मिलेगी विद्युत नगरी के होनहार कृतांत मिश्रा अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के चीफ केमिस्ट रूद्र शरण मिश्रा एवं माता श्रीमती अन्नपूर्णा मिश्रा के सुपुत्र हैं। वर्तमान समय में नोएडा में कार्यरत कृतांत मिश्रा की इस उपलब्धि से विद्युत नगरी चचाई ही नहीं बल्कि पूरे अनूपपुर जिले को गौरवान्वित किया है।

गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान मारपीट

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत बरगवां गांव में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान गाली गलौज कर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घायल नाबालिग की रिपोर्ट पर आरोपी आदर्श एवं सचिन के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है। बताया जा रहा है कि पीड़ति घर से गणेश विसर्जन जुलूस देखने के लिए निकला था जहां दो लोगों के द्वारा गाली गलौज कर विवाद किया जाने लगा और मना करने पर हाथ मुक्के से मारपीट की गई।

गणेश उत्सव समिति, सोहागपुर

बाल गणेश उत्सव समिति, सोहागपुर

श्री नव यूग गणेश उत्सव समिति, सोहागपुर

विराट् सेवा समिति, सोहागपुर

दिव्य ज्योति गणेश उत्सव समिति, सोहागपर

सत्यम शिवम सुन्दरम गणेश उत्सव समिति, सोहागपुर

श्री सरस्वती समिति, सोहागपर

श्री गणेश उत्सव समिति, सोनी मोहल्ला, सोहागपुर

श्री सिविल लाइन गणेश उत्सव समिति, सोहागपुर

समन्वय गणेश उत्सव समिति, नया बस स्टैंड

गणेश उत्सव समिति, गुरु नानक

पीपल धाम गणेश उत्सव समिति, पाडव नगर

गणेश उत्सव समिति, पाडव नगर

गणेश उत्सव समिति पुरानी बस्ती

गणेश उत्सव समिति, कोटमा तिराहा

हवन, भण्डारे के साथ हुआ गणपति विसर्जन

शहडोल। पूरे जिले में शनिवार को धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ गणेश विसर्जन का आयोजन संपन्न हुआ। नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक गली-गली में गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे गूंजते रहे। हवन-पूजन, भजन-कीर्तन और विशाल भण्डारों के बीच गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन यात्रा के साथ विदा किया गया।

जिला मुख्यालय पर सुबह से ही धार्मिक वातावरण का विशेष उल्लास दिखाई दिया। विभिन्न मोहल्लों और गणेश उत्सव समितियों ने अपने-अपने पंडालों में अंतिम पूजन-अर्चन के साथ हवन किया। श्रद्धालुओं ने नारियल, सुपारी, फल-फूल और प्रसाद अर्पित कर गणपति से आशीर्वाद लिया। हवन की पूर्णाहुति के बाद भक्तों के लिए भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती विसर्जन यात्राओं में भक्तों ने जगह-जगह नृत्य कर अपनी खुशी का इजहार किया। युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। डीजे की धुनों और ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्त झूमते हुए चल रहे थे। महिलाएं कलश और थाल सजाकर विसर्जन यात्राओं में शामिल हुईं। पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध किए थे। शहर के अलावा ब्यौहारी, बुढ़ार, गोहपारू, जयसिंहनगर और समस्त ग्रामीण अंचलों में भी श्रद्धा और भक्ति का यही नजारा देखने मिला। ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से प्रतिमाओं का पूजन कर तालाबों और नदियों में विसर्जन किया। जगह-जगह धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों ने जलपान और पेयजल की व्यवस्था की।विसर्जन के अवसर पर धार्मिक माहौल इतना भावुक हो गया कि कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। लोगों ने आस्था से कहा कि गणपति बप्पा पूरे वर्ष खुशियां, सुख-समृद्धि और वैभव का आशीर्वाद दें।इस तरह जिले के प्रत्येक कोने में गगनभेदी नारों और भक्ति-भाव से ओतप्रोत माहौल के बीच गणपति विसर्जन संपन्न हुआ। भक्तों ने अगली बार गणेशोत्सव को और धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हितग्राहियों के खाते में राशि की अंतरित जिले के प्रभावित हितग्राहियों के खाते में राशि का हुआ अंतरण

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन से प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हितग्राहियों के खाते मे राशि अंतरित की। जिसमें उमरिया जिले के प्रभावित लोगों के खातों मे भी राशि का अंतरण हुआ। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण उमरिया एनआईसी में देखा एवं सुना गया ।इस अवसर पर ग्राम बिलासपुर निवासी शुभकरन सिंह, दामोदर सिंह, भूरा सिंह, नरेश सिंह, फूल सिंह, पंचम सिंह, पतिया बाई तथा सेमाली अगरिया की धान की फसल अतिवृष्टि से प्रभावित होने पर 97573 रूपये का डमी चेक मुख्य अतिथियों व्दारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर उमरिया एनआईसी में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज, अधीक्षक भू अभिलेख एल के शर्मा,तहसीलदार बांधवगढ़ दिलीप सोनी, धनुषधारी सिंह सहित हितग्राही उपस्थित रहे ।

सीईओ ने गौशाला का किया निरीक्षण

व्यवस्था दुरूस्त रखने के दिए निर्देश

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने करकेली विकासखंड के ग्राम मरदरी स्थित शारदा सामुदायिक गौशाला का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होने संपूर्ण गौशाला परिसर का अवलोकन किया तथा गायों को दिए जा रहे भोजन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मौके पर 60 गाय उपस्थित पाई गई । गायों को भोजन के रूप में दिए जाने वाले चारे की उपलब्धता पाई गई । इसके साथ ही पानी की व्यवस्था भी दुरूस्त पाई गई। परिसर के सामने पानी भराव की स्थिति होने पर पानी की निकासी करने के साथ ही बिजली व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देष संबंधितो को दिए गए । सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि गौशाला में रखी गायों को किसी भी प्रकार की परेशानी नही हो , इसका ध्यान रखा जाए। समय समय पर गायो को भूसा, चारा , खरी दिया जाए। इसके साथ ही समय समय पर गायो का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। निरीक्षण के समय जिला पंचायत उमरिया से अमित सहित गौशाला का संचालन करने वाले कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिगंबर जैन धर्म के पर्यूषण महापर्व को लेकर जैन मंदिरों में उत्साह का माहौल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जैन समाज के राजेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पर्व भाद्रपद पंचमी से शुरू होकर चतुर्दशी तक मनाया जाता है और इसे दश लक्षण पर्व के रूप में भी जाना जाता है। जैन धर्म में इसे 12 वे तीर्थंकर वासु पूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक के रूप में भी मनाया जाता है। जैन धर्मावलंबियों द्वारा यह पर्व आत्मा को पवित्र बनाने के लिए मनाया जाता है। जैन धर्म में पर्यूषण पर्व का एक अलग ही महत्व है। इस पर्व को सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है, इसलिए पर्यूषण पर्व को महापर्व भी कहा जाता है। जैन धर्म में यह पर्व दस दिन तक मनाया जाता है। दस दिन तक जैन धर्मावलंबियों के द्वारा अलग-अलग नियम, धर्म, व्रत और कर्म किया जाता हैं. जिससे उन्हें सभी पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

पर्व के महत्व और धार्मिक अनुष्ठान

जैन समाज के दीपक चंदेरिया ने बताया कि इस पर्व के दौरान, जैन धर्मावलंबी दस दिनों तक विभिन्न धार्मिक नियमों, व्रतों और उपासना का पालन करते हैं। इन दस दिनों को दश लक्षण के रूप में मनाया जाता है, जिसमें हर दिन एक विशेष गुण का पालन किया जाता है। उत्तम क्षमा सहनशीलता उत्तम मार्दव नम्रता उत्तम आर्जव सच्चाई उत्तम शौच पवित्रता उत्तम सत्य सत्य बोलना उत्तम संयम संयमित जीवन उत्तम तप तपस्या उत्तम त्याग उत्तम अकिंचन अपरिग्रह उत्तम ब्रह्मचर्य सदाचार दश लक्षण पर्व काअंतिम दिन क्षमावाणी के रूप में मनाया जाता है, जिसमें सभी आपस में क्षमा मांगते हैं और अपनी गलतियों के लिए माफी मांगते हैं।

जैन मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान

नगर के पाशर्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर महावीर मार्ग आजाद चौक जैन मंदिर रेस्ट हाउस रोड मंदिरों में प्रतिदिन प्रातःकाल धार्मिक अनुष्ठान, अभिषेक, शांतिधारा, संगीतमय आरती, पूजन, और विधान भक्ति के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिदिन मंदिरों में भक्तजन बड़ी संख्या में उपस्थित होते हैं और भगवान पर प्रासूक जल से जलाभिषेक एवं शांतिधारा करते हैं। इसके अलावा, अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य चढ़ाकर सामूहिक पूजन और विधान में भाग लेते हैं।

सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम है। बच्चों, युवाओं, और महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इनमें जैन गॉट टैलेंट 2.0, सोलह श्रृंगार, और बेस्ट जोड़ी 2.0 जैसे रोचक कार्यक्रम भी शामिल हैं। दस दिनों तक से विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महिला मंडल, युवाओं और बच्चों की विशेष भागीदारी रहती है।

शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास कौडिय़ा में जिला शिक्षा अधिकारी आर. एस. मरावी कि उपस्थित में शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नीलिमा पटेल ,अमसिया सिंह ,मीना सिंह, सोनम, मोहिनी, संजीवनी सिंह एवं आरती सिंह के द्वारा देश भक्ति गीत की प्रस्तुति के साथ शिक्षक दिवस के महत्व को बताया गया एवं नीलिमा पटेल के द्वारा निर्मित कलाकृति को जिला शिक्षा अधिकारी को भेंट किया गया । इस अवसर पर केक भी काटा गया। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी गांधीनगर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर के द्वारा विद्यार्थियों को विद्युत अपघटन लेखन, चुंबकीय प्रभाव, ड्राइंग शीट से विभिन्न प्रकार की टोपियां को बनाना, नींबू का सोडियम क्लोराइड व जल में सांद्रता का प्रभाव, एवं हिंदी ग्रंथ अकादमी एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन नेशनल बुक ट्रस्ट के द्वारा उपलब्ध कराई गई । पुस्तकालय की पुस्तको को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराते हुए प्रतियोगी परीक्षा के चयन के लिए चर्चा की गई । सभी विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक पुस्तकों में रुचि दिखाईं हॉस्टल अधीक्षक वंदना धुर्वे द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया एवं अंत में अमसिया सिंह के द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर मां के लिए एक मधुर गीत गया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ने भारतीय संस्कृति के संवाहक प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया। इस अवसर पर विनीत कुमार के .व्ही. सहायक परियोजना समन्वयक,श्रीमती वंदना धुर्वे हॉस्टल अधीक्षक एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बीएसएनएल ने फ्रीडम प्लान की अंतिम तिथि 15 सितम्बर तक बढ़ाई

BSNL
Connecting Bharat
Securely • Affordably • Reliably

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। बीएसएनएल ने स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर अपने सम्माननीय उपभोक्ताओं के लिए मात्र एक रूपए में एक आकर्षक फ्रीडम लॉन्च किया था। जिसकी अंतिम तिथि को उपभोक्ताओं की भारी डिमांड के कारण 31 अगस्त से बढाकर 15 सितंबर कर दिया गया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश दूरसंचार परिमंडल बीएसएनएल शहडोल क्षेत्र के उप महाप्रबंधक प्रचालन नरेंद्र सल्लाम ने बताया कि आज़ादी के इस पावन अवसर पर बीएसएनएल ने अपने नए मोबाइल उपभोक्ताओ के लिए मात्र एक रूपए के एफआरसी द्वारा फ्रीडम प्लान शुरू किया था। उपभोक्ताओं की भारी डिमांड के कारण इसकी अंतिम तिथि को 31 अगस्त से बढाकर 15 सितंबर कर दिया गया है। इस प्लान में नये उपभोक्ताओं को 2 जीबी डाटा प्रतिदिन, असीमित एसएमएस प्रतिदिन एकमाह तक पूर्व की भांति प्राप्त हो सकेंगे। यह ऑफर 31 अगस्त से बढाकर अब 15 सितम्बर तक लागू कर दिया है। इस सिम को उपभोक्ता नजदीकी बीएसएनएल ग्राहक सेवा केन्द्र, फ्रेंचाईजी एवं रिटेलर आदि से तत्काल प्राप्त कर सकते हैं।

ईद मिलादुन्नबी पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने किये कई कार्यक्रम

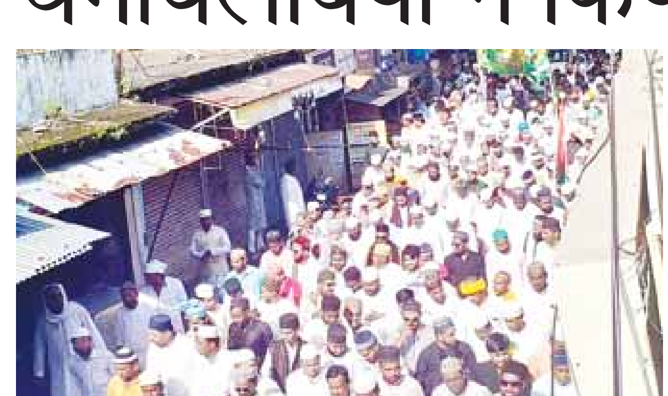

हरिभूमि न्यूज कोतमा। ईद मिलादुन्नबी पर शुक्रवार को पूरे दिन मुस्लिम समाज के लोगो द्वारा अलग-अलग कई कार्यक्रम किए गये। बनिया टोला लहसुई कैंप एवं गोविंदा कालरी में स्थित मस्जिद समिति के लोगो द्वारा सुबह ही वार्ड में रैली निकाली गई। दोपहर में सभी मुख्य मस्जिद समिति के एवं मुस्लिम समाज के युवा बुजुर्ग महिला एवं बच्चे एकत्र होकर नगर में जुलूस निकालकर धार्मिक नारेबाजी की। जुलूस नगर के रेलवे फाटक तिराहा, स्टेशन चौक, पुराना हॉस्पिटल चौक, पुराना एसबीआई चौक, गांधी चौक, आजाद चौक सहित अन्य मार्गों का भ्रमण करते हुए बाजार स्थित जामा मस्जिद चौक पहुंची जहां पर सभी लोगों ने नगर में अमन शांति के लिए दुआ की। प्रशासन द्वारा पर्व को लेकर सुबह से सुरक्षा व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करके रखा गया था। सुरक्षा व्यवस्था के दौरान एसडीएम अजीत तिर्की, तहसीलदार दशरथ सिंह, थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल, सीएमओ प्रदीप झारिया सहित भारी संख्या में पुलिस बल मुस्तैद रहा। जो यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने सहित जुलूस मार्ग में व्यवस्था बनाने जुटा रहा। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल सुबह से ही नगर भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार शांति पूर्वक सम्पन्न हो इसके लिए जगह जगह पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

खबर संक्षेप

शिव शक्ति गणेश उत्सव में भंडारा एवं धूमधाम से होगा गणेश विसर्जन

धनपुरी। नरगड़ा मोहल्ला शिव शक्ति गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी गणेश उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।समिति द्वारा 6 सितंबर की शाम भंडारा का आयोजन किया गया है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु शामिल होकर प्रसाद का लाभ लेंगे।इसके साथ ही 7 सितंबर को गणेश विसर्जन कार्यक्रम धूमधाम और शोभायात्रा के साथ संपन्न होगा। शोभायात्रा में भक्तगण ढोल-नगाड़ों की गूंज, जयकारों और भक्ति संगीत के बीच बप्पा को विदा करेंगे।समिति के सदस्यों ने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर गणेश उत्सव की भव्यता को सफल बनाएं।

शिक्षक दिवस पर यूरो किड्स स्कूल धनपुरी स्कूल धनपुरी में शिक्षक दिवस मनाया गया

धनपुरी। गुरु गोविंद दोऊ खड़े, का के लागूं पाय बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय इन पंक्तियों को याद करते हुए जब गुरुजनों के चरणों में नमन किया गया तो वातावरण गुरु भक्ति से सराबोर हो गया। अवसर था शिक्षक दिवस का, जहां लीनेस क्लब बुढार द्वारा यूरो किड्स स्कूल धनपुरी में शिक्षकों के सम्मान का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की प्राचार्या, शिक्षकों व विद्यार्थियों की उपस्थिति में भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद मंचासीन अतिथियों और लीनेस क्लब की बहनों ने गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।समारोह में प्राचार्य सहित 17 शिक्षकों और स्टाफ का सम्मान किया गया। प्रत्येक शिक्षक को श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। सर्वप्रथम स्वागत गीत अर्चना ओझा बिंदा भगत ने किया सरस्वती वंदना स्नेहलता गुप्ता प्रतिमा जैन द्वारा की गई मंच का संचालन अंजू अग्रवाल स्नेहलता गुप्ता ने किया इस अवसर पर लीनेस क्लब बुढार अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल ने कहा कि "बिना शिक्षक के मार्गदर्शन से मंजिल नहीं मिल सकती। गुरुओं के बताए मार्ग पर चलकर ही जीवन की सही मंजिल प्राप्त की जा सकती है।"उन्होंने आगे कहा कि "समाज को संस्कार, शिक्षा और चरित्र प्रदान करने में शिक्षक की भूमिका सर्वोपरि है। हर बच्चे को अपने गुरु का आदर करना चाहिए।"सम्मान समारोह में लीनेस अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल सचिव अंजू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्यामा गुप्ता, , आरती खंडेलवाल, नागमणि मानिकपुरी साधना अग्रवाल प्रतिमा जैन बिंदा भगत स्नेहलता गुप्ता अर्चना ओझा दिव्या रुचनदानी अंजू मिश्रा जसमीत कौर सरिता अग्रवाल, सहित अन्य सदस्य मौजूद रहीं। सभी ने मिलकर गुरुजनों के सम्मान में कृतज्ञता प्रकट की और बच्चों को गुरुजनों का आदर करने की सीख दी। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों व अतिथियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई।

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन

शहडोल। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा प्रारंभ आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जिले में विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण मॉड्यूल का आयोजन किया जा रहा है। माननीय कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देश और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सौम्या आनंद के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम जनपद पंचायत गोहपारू में आयोजित होगा। जनपद पंचायत गोहपारू के सीईओ सुधीर कुमार दिनकर ने जानकारी दी कि यह प्रशिक्षण जनपद पंचायत गोहपारू के सभागार में 8 एवं 9 सितंबर 2025 को प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक चलेगा। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को शासन की योजनाओं की जानकारी, ग्राम विजन प्लान तैयार करने की प्रक्रिया और समुदाय तक योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के उपायों से अवगत कराया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जयसिंहनगर एवं ब्लॉक अध्यक्ष आदि कर्मयोगी अभियान सुश्री काजोल सिंह ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदाय को शासन की योजनाओं की शत-प्रतिशत पहुँच सुनिश्चित करना तथा समुदाय के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करना है।

कानून और शांति व्यवस्था के लिए लगाई ड्यूटी

कटनी। गणेश प्रतिमा के विसर्जन के अवसर पर निकलने वाले चल समारोह और विसर्जन प्रक्रिया के दौरान कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर पुलिस कंट्रोल रूम और जिला डीसीसीसी कंट्रोल रूम में अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

पितृपक्ष के पावन अवसर पर विक्रमपुर से गया धाम हेतु 23 यात्रियों को नर्वद बैगा ने कराया प्रस्थित

पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है: गीतानुरागी

बुढार।

पितृपक्ष पर पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा मुक्त कराये जानें के पुनीत उद्देश्य से ग्राम - विक्रमपुर के सनातन धर्मप्रेमी नर्वद बैगा ने गया धाम की यात्रा हेतु 23 लोगों का तिलक वंदन कर, पुष्पहार व श्रीफल भेंटकर उनके मंगलमय यात्रा की कामना करते हुये उन्हें यात्री बस से प्रस्थित कराया। इस अवसर पर गीतानुरागी श्रीकांत शर्मा ने पितृपक्ष की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये कहाकि - पितरों का ऋण, श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है, और श्राद्ध का आशय श्रद्धा से जो दिया जाये या किया जाये, श्राद्ध के लिए सबसे पवित्र स्थान गया तीर्थ है, पितरों के मुक्ति निमित्त गया को परमपुण्यदायनी माना जाता है - हमारे सनातन संस्कृति व जीवन शैली में, श्राद्ध करने से, पितरों को पिण्ड दान करने से, गृहस्थ दीर्घायु, पुत्र - पौत्रादि, यश, बल, लक्ष्मी, समृद्धि तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है, और तर्पण करना पितृपक्ष में बहुत ही कल्याणकारी माना गया है। पुत्र -पौत्रादि द्वारा पिण्ड दान तर्पण के साथ करना, भगवान विष्णु के श्रीचरणों तक पितरों को समर्पित करना, हमारे आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाती है, मातृ - पितृ भक्ति को, शक्ति प्रदान करती है। स्वयं के कल्याण के लिए ईश्वर की आराधना करना, पूजन करना सनातन धर्म में अच्छा माना गया है, लेकिन दूसरों के कल्याण के लिये तथा दूसरों को ईश्वर से मिलाने के लिये दृढ़ विश्वास कराने के लिये यदि भौतिक संसाधनों का सामर्थ का दान किया जाता है तो वह सबसे बड़ा पुण्य का कार्य होता है, ऐसे सब कम करने वाले व्यक्ति होते हैं जो दीन दुखियों की भावना को समझने वाले धन्य है। ऐसा ही अनुकरणीय उदाहरण बुढार से लगे ग्राम - विक्रमपुर निवासी नर्वद बैगा ने जन - मानस के समक्ष प्रस्तुत किया है और बारह दिवसीय यात्रा पितृपक्ष पर पूज्य पिता स्व. भूरी बैगा के आशीर्वाद तथा पूज्य मां हरछठिया बाई की सद प्रेरणा से ग्राम - विक्रमपुर, धनपुरा, चिटुहला, पिपरतरा, कटकोना, पकरिया,अहिरगवां तथा बटुरा के कुल 23 लोगों को पितृपक्ष में उनके पूर्वजों के पिंडदान हेतु यात्री बस से स्वयं खर्च वहन कर प्रस्थित कराया और उनका मानना है कि - असहायों की मदद् हाथ बढ़ाना पुण्य के समान है, इस तरह की प्रेरणा ईश्वर से मिलती है और निस्वार्थ भाव से आगे हाथ बढ़ा पाता हूं। ग्राम - विक्रमपुर के सामान्य परिवार के नर्वद बैगा विगत कई वर्षों से बद्रीनाथ, केदारनाथ, चार धाम की यात्रा तथा पितृपक्ष पर स्वयं के व्यय से आर्थिक स्थिति से कमजोर परिवारों को यात्रा हेतु प्रस्थित करवाते रहे हैं। पितृपक्ष पर यात्रियों के मंगलमय यात्रा की कामना - वरिष्ठ पत्रकार मोहन नामदेव, ग्राम पंचायत विक्रमपुर के पूर्व उपसरपंच मनोज पाण्डेय, पं. हर प्रसाद उपाध्याय, गीता प्रवक्ता निरंजन पटेल ने भी की है। पितृपक्ष के पावन अवसर पर श्री गया धाम यात्रा के लिए प्रस्थित यात्री मैहर, चित्रकूट, प्रयागराज, वाराणसी, बैजनाथ, तपोस्थली कुदरगढ़ सहित विभिन्न धार्मिक तीर्थ स्थलों का दर्शन कर पुण्य लाभ यात्रा के दौरान अर्जित करेंगे।

वामन भगवान का ड़ोल (विमान) बाजे गाजे के साथ वापस पहुंचा श्री राम जानकी मंदिर, जगह जगह हुईं पूजा अर्चना

बुढार।

श्री राम जानकी मंदिर से ड़ोल ग्यारस को वामन भगवान की विमान शोभायात्रा नगर भ्रमण पर निकलने के उपरांत दो दिनों तक नव चेतना गणेश पंडाल में विश्राम करने के बाद शनिवार को मेन रोड, जैन मंदिर, रेल्वे स्टेशन चौक,लखेरन टोला भ्रमण करने के बाद वापस श्रीराम जानकी मंदिर पहुंची।

विमान शोभायात्रा में में मंदिर के मंहत अर्जून दास महाराज दक्षिण काली पीठ आश्रम इंदौर भी शामिल रहे और नगर के भक्त गणों को अपना शुभ आशीर्वाद प्रदान किया।

जगह जगह स्वागत

वामन भगवान विमान शोभायात्रा का नगर में जगह जगह पूजा अर्चना कर स्वागत किया गया। विमान शोभायात्रा में नगर के नागरिकों की भारी संख्या में उपस्थित रहीं।

उप जेल में आयोजित की गई विधिक जागरूकता शिविर एवं पौधे रोपित किए

बुढार।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल काशीनाथ सिंह की अध्यक्षता में एवं सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढार तथा विजेंद्र सिंह रावत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बुढ़ार साथ ही देवेंद्र सिंह परस्ते जिला विधिक सहायता अधिकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल की उपस्थिति में उप जेल का निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। बंदियों से अपने प्रकरण के संबंध में लगाए गए वकीलों से बातचीत व वकील न होने पर विधिक कार्यालय से निःशुल्क सरकारी वकील दिलाये जाने हेतु सलाह दी गई। साथ ही बंदियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं का निराकरण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा किया गया।

पौधे रोपित किए

उप जेल प्रांगण में पर्यावरण को संतुलित एवं स्वच्छ वातावरण निर्मित रहें जिसके लिए पौधारोपण किया गया जिसमें आम, आंवला, जामुन इत्यादि के पौध रोपित किये गये। उक्त शिविर में उप जेल बुढ़ार में बंदियों से स्वास्थ्य, साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता से संबंधित जानकारी ली गई। उक्त शिविर में सहायक जेलर, एवं जेल कर्मचारियों की उपस्थित रहे।

बड़ी नदियों पर प्रतिबंध, छोटे नालों में तेज़ हुआ रेत का अवैध उत्खनन

धनपुरी।

रेत के अवैध उत्खनन का खेल अब छोटे-छोटे नालों में खुलेआम चलने लगा है। जानकारी के अनुसार प्रशासन द्वारा बड़ी नदियों से रेत निकासी पर रोक लगाए जाने के बाद रेत माफियाओं ने अब अपना रुख छोटे नालों और उनसे जुड़ी धाराओं की ओर कर लिया है। क्षेत्र की बघइया, नरगड़ा नदी और आसपास के नालों में बरसात के कारण बड़ी मात्रा में रेत जमा हो गई है, जिसे चोरी-छिपे बोरी, साइकिल और ट्रैक्टरों के माध्यम से बाहर ले जाया जा रहा है।नाले और नदी का स्वरूप बिगड़ रहास्थानीय निवासियों ने चिंता जताई है कि लगातार रेत निकाले जाने से नाले और नदी का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ रहा है। बरसात में पानी की धारा कमज़ोर पड़ने लगी है और जलस्तर पर भी असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नालों का दोहन जारी रहा तो आने वाले समय में पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के साथ-साथ बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ सकता है।जनता की आशंका और असुरक्षानगरवासियों का कहना है कि पहले कभी क्षेत्र में इस तरह की रेत चोरी की घटनाएं नहीं होती थीं। लेकिन अब स्थिति यह है कि प्रतिदिन रेत से भरे वाहन नगर में प्रवेश करते हैं और खुलेआम सप्लाई कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन की चुप्पी से अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। नागरिकों ने बताया कि इस कारण आमजन अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और भय का माहौल बना हुआ है।प्रशासन की भूमिका पर सवालक्षेत्रवासियों का कहना है कि अवैध उत्खनन सबके सामने हो रहा है, बावजूद इसके पुलिस या प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। यही कारण है कि लोगों में यह चर्चा है कि रेत कारोबारियों को कहीं न कहीं संरक्षण प्राप्त है। नागरिकों का आरोप है कि यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में यह कारोबार और भी तेज़ हो सकता है।कार्रवाई की उठी मांगस्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि छोटे-छोटे नालों और उनसे जुड़ी धाराओं में हो रहे अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए। इसके लिए नियमित गश्त, नालों पर निगरानी और अवैध रेत ढुलाई करने वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई ज़रूरी है। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन गंभीरता दिखाए तो अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना मुश्किल नहीं है।क्षेत्र के नागरिकों की उम्मीद है कि प्रशासन समय रहते कदम उठाएगा, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो सके और नगर में अमन-शांति बनी रहे।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से ब्यौहारी में हंगामा, आरोपी युवक पर एफआईआर दर्ज

शहडोल।

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम भोलहरी में शुक्रवार को हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में हंगामा मच गया। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी उदयशंकर चतुर्वेदी पुत्र गंगे चतुर्वेदी निवासी ग्राम भोलहरी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है। शिकायतकर्ता नीलम चतुर्वेदी पिता उमाकांत चतुर्वेदी ने थाना ब्योहारी में रिपोर्ट दर्ज कराई है। खबर है कि 5 सितंबर को सुबह करीब 11:30 बजे नीलम चतुर्वेदी अपने घर पर गणपति का भंडारा आयोजित करने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान उनके भाई को सामान लेने बाहर जाना पड़ा। रास्ते में आरोपी उदयशंकर चतुर्वेदी ने शिकायतकर्ता के भाई का रास्ता रोकते हुए विवाद किया और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि उदयशंकर चतुर्वेदी ने न केवल अभद्र व्यवहार किया, बल्कि वहां मौजूद महिलाओं और बच्चों के सामने आपत्तिजनक हरकतें भी कीं। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने केवल अंडरगारमेंट्स पहनकर सामने आकर वीडियो बनाने की जिद की और असामान्य व्यवहार करते हुए बार-बार कहने लगा कि उसका वीडियो बनाया जाए।

शिकायतकर्ता नीलम चतुर्वेदी ने बताया कि इस दौरान उनके माता-पिता सहित परिजन मौके पर मौजूद थे और घटना को देखकर भयभीत हो गए। उन्होंने कहा कि यह सब उनके घर के सामने हुआ जिससे घर की महिलाओं और बच्चों को भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

घटना की जानकारी पुलिस को दी गई जिसके बाद ब्योहारी थाना पुलिस ने देर शाम एफआईआर दर्ज कर ली। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126 , 296(2), 3(5) और 79 के तहत मामला कायम किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस वीडियो के प्रसार ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग इस पर तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज के लिए गलत संदेश देती हैं। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और आरोपी की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। फिलहाल ब्यौहारी पुलिस ने वायरल वीडियो और दर्ज प्राथमिकी के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में चर्चा का माहौल है और लोग पुलिस कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी अमन-शांति और भाईचारे का संदेश गूंजा धनपुरी नगर में

धनपुरी।

पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे पैदाइश ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शनिवार को धनपुरी नगर का माहौल नारे तकबीर अल्लाहु अकबर और लब्बैक या रसूलुल्लाह की सदाओं से गूंज उठा। नगर की गलियों में अमन, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम फैलाते हुए भारी तादाद में लोग जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल हुए। नूरी मस्जिद, मस्जिदे बिलाल, मस्जिदे गौसे आज़म समेत विभिन्न मस्जिदों से जुलूस निकले और दारुल उलूम मुजाहिदे मिल्लत, कच्छी मोहल्ला में एकत्र हुए। यहां मदीना जामा मस्जिद के जिम्मेदारों ने सभी जुलूसों का गर्मजोशी से इस्तकबाल किया। इस अवसर पर मुफ्ती मौलाना मंसूर आलम अशरफ़ी, मौलाना तनवीर रज़ा, हाजी मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद सलीम (पूर्व पार्षद), शेख फारुख सहित बड़ी संख्या में सामाजिक और धार्मिक हस्तियां मौजूद रहीं।

नगर में अमन और भाईचारे का नज़ारा

जुलूस पूरे नगर का भ्रमण करते हुए निकला। जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर और शर्बत-मिठाई खिलाकर जुलूस का स्वागत किया। खास बात यह रही कि हिन्दू समुदाय ने भी स्वागत कर आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की। गणेश पंडालों के सामने से गुजरते समय जुलूस का अभिनंदन किया गया।

बारिश बनी जुलूस की रौनक

जुलूस के दौरान मौसम ने भी अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। जैसे ही जुलूस मदीना जामा मस्जिद के पास से गुजरा, अचानक काले बादल छा गए और तेज बारिश शुरू हो गई। श्रद्धालु भीगते हुए *नारे तकबीर अल्लाहु अकबर की सदाएं बुलंद करते रहे। कुछ देर बाद मौसम साफ हुआ और लोग उसी उत्साह से आगे बढ़े।

निकाह और लंगर का आयोजन

कार्यक्रम के तहत मदीना जामा मस्जिद प्रांगण में तीन बच्चियों का निकाह भी संपन्न हुआ। नवदंपतियों को घरेलू उपयोग की वस्तुएं उपहार स्वरूप भेंट की गईं। वहीं, लंगर कमेटी की ओर से सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक सभी धर्मों के लोगों के लिए लंगर का इंतज़ाम किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीओपी विकास पांडे और थाना प्रभारी खेम सिंह पेंन्द्रो लगातार नगर में पैदल फ्लैग मार्च करते रहे। पुलिस जवान नगर के चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद नजर आए।

गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी

इस अवसर पर हाजी इसाक मास्टर, हाजी साबिर, हाजी शकील खान, हाजी पीर अली, हाजी खलील खान, हाजी शेख बल्लू, हाजी अशफाक खान, हाजी कयूम वारसी, शाहनवाज अंसारी, हाजी सलीम, आरिफ अली, रज्जाक अली सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही।

शुभ शनिवार को धूमधाम से हुई बप्पा की विदाई

गणेश उत्सव चल समारोह में उमड़ा आस्था का सैलाब

पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रतिमाओं का भावपूर्ण विसर्जन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शनिवार को गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करने के लिए झांकियां सजाकर समिति के लोगो के द्वारा बैंड बाजे के साथ नाचते गाते चल जुलूस निकाला गया। प्रशासन के द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए गणेश समितियों द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से अण्डर ब्रिज के समीप बनाये गये अस्थाई कुण्ड मे मूर्ति का विसर्जन किया गया। गणेश समितियों एवं घरों में विराजमान गणेश जी की प्रतिमा को गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारो के साथ विसर्जित किया। देर रात तक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला चलता रहा।

जिले भर में रही गणेशोत्सव की धूम

गणेश उत्सव की धूम जिले भर में रही नगर सहित जिले के अन्य कस्बो व गांवो में विध्नहर्ता की प्रतिमा स्थापित करने का उत्साह देखा गया। जिले के राजेन्द्रग्राम, कोतमा, अमरकंटक, जैतहरी, चचाई, रामनगर, बिजुरी, कपिलधारा समेत जगह-जगह भगवान श्री गणेश की झांकी को उत्साह के साथ विसर्जित किया गया। ज्ञात हो कि हरितालिका व्रत के अगले दिन गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की जाती है जो दस दिनो तक रहती है उसके बाद अनंत चतुर्दशी को प्रतिमा का विर्सजन किया जाता है। कही-कही एक दिन पहले ही मूर्ति का विर्सजन कर दिये जाने की जानकारी मिली है, लेकिन अधिकांश जगह मंगलवार को प्रतिमा का विर्सजन किया गया। नगर में हर गली मोहल्ले में गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना की गयी थी। इसके अलावा जिले के अन्य क्षेत्रो में भी मूर्ति स्थापित की गयी थी। नगर में भी गणेश भगवान की मनमोहक प्रतिमाएं अनेक जगह स्थापित की गई थी। ऐसे ही हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आदर्श मार्ग, सामतपुर तालाब, स्टेशन चौक, इंदिरा तिराहा समेत अन्य जगहो पर स्थापित गणेश प्रतिमाएं काफी मनमोहक थी जिसे देखने के लिए सुबह से देर शाम तक लोगो की भीड़ उमड़ती थी। प्रतिमाओं व साज सज्जा की नगर समेत आस-पास के क्षेत्रो में चर्चा रहती थी। प्रतिमा स्थापना के पहले दिन से ही भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया जाता था तथा सुबह शाम भजन कीर्तन किये जाते थे।

आयोजकों में रहा उत्साह

गणेश उत्सव समिति के आयोजको में जबरदस्त उत्साह देखा गया उनके द्वारा हर दिन विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसके भजन कीर्तन आर्केस्ट्रा, रामायण पाठ आदि शामिल है। धार्मिक आयोजन के साथ श्रद्धालुओ के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई। गणेश विसर्जन के एक दिन पूर्व जिले भर में विभिन्न गणेश उत्सव पंडाल के समीप प्रातः से शाम तक कन्या पूजन कर भंडारे का आयोजन किया गया वही शनिवार को विसर्जन के दौरान जिले के सभी थाना प्रभारियो को अपने-अपने क्षेत्र में पूरी सर्तकता बरतने की हिदायत दी गई थी विसर्जन स्थानो पर मर्करी लाइट व गोताखोर, क्रेन तथा आपात कालीन आवश्यकताओ की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई थी।

पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रतिमाओं का भावपूर्ण विसर्जन

धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमाओं का भावपूर्ण विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने नर्मदा जल से भरे बने विसर्जन कुंड में बप्पा को नाचते-गाते, ढोल-ढमाकों और जयकारों के साथ विदा किया। शुक्रवार से ही भक्तों द्वारा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन प्रारंभ हो गया था, जो आज भी लगातार चलता रहेगा। समाचार लिखे जाने तक एक सैकड़ा से अधिक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा चुका था। गणपति बप्पा मोरया* अगले बरस तू जल्दी आना" दृ यह जयघोष पूरे नगर में गूंजता रहा। पुष्पराजगढ़, राजेन्द्रग्राम, अनूपपुर, बुढ़ार, धनपुरी सहित आसपास के अनेक क्षेत्रों से भक्तजन गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने पहुंचे। विसर्जन से पूर्व श्रद्धालुओं ने प्रतिमाओं का विधिवत पूजन-अर्चन और आरती कर बप्पा से सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य और शांति की मंगल कामनाएँ कीं। भक्ति और आनंद में डूबा अमरकंटक का वातावरण बप्पा के गीतों से गूंज उठा। विसर्जन स्थल पर नगर परिषद अमरकंटक के कर्मचारी लगातार मुस्तैद रहे। पुलिस बल पूरी तरह सतर्क और तैनात रहा, वहीं राजस्व विभाग के निरीक्षक और पटवारी ने भी चाक-चौबंद व्यवस्था बनाए रखी। साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था का भी समुचित प्रबंध किया गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बप्पा को विदा करते समय हर आँख नम और हर मन उल्लास से भर गया। इस प्रकार अमरकंटक की पावन धरती पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

छात्रों ने प्रस्तुत किए विविध कार्यक्रम, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया याद

अमरकंटक के कल्याणिका शिक्षा महाविद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। माँ नर्मदा की उद्गम स्थली, पावन नगरी अमरकंटक में 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अमरकंटक क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रदृछात्राओं ने अपने प्रिय गुरुओं का अभिनंदन करते हुए उन्हें सम्मान अर्पित किया। विद्यालयों में विद्यार्थियों ने शिक्षकों की दिनचर्या का अनुकरण करते हुए मनोरंजक नाट्य, गीत, भाषण, कविताएँ और नृत्य प्रस्तुत किए। बच्चों की इन प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण उल्लासमय हो उठा। शिक्षक दीपक के समान हैं, जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को रोशन करते हैं। विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानाचार्यों ने भी मंच पर उपस्थित होकर शिक्षकों का सम्मान किया और छात्रों को शिक्षक दिवस का महत्व समझाया।

डॉ. राधाकृष्णन को किया गया याद

शिक्षक दिवस के अवसर पर देश के पूर्व राष्ट्रपति, महान शिक्षक और दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। महाविद्यालय अमरकंटक में छात्रों और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से केक काटकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। एन.पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.एस. कुशवाहा ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "राधाकृष्णन जी ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम बताया। उनका जीवन प्रत्येक विद्यार्थी और शिक्षक के लिए प्रेरणास्त्रोत है। क्षेत्र के सभी विद्यालयों में छात्रों ने अपने गुरुओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कहीं विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से शिक्षा का महत्व दर्शाया तो कहीं कविताओं और गीतों के जरिए शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। गुरु वह है, जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। प्रत्येक विद्यालय में छात्रों ने कहा कि "शिक्षक हमारे पथप्रदर्शक हैं। वे केवल पाठ्यक्रम की शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की सही राह भी दिखाते हैं।

उल्लास और श्रद्धा का संगम

अमरकंटक के अनेक विद्यालयों में दिनभर का वातावरण उल्लास और श्रद्धा से भरा रहा। मंच पर एक ओर जहां शिक्षकों का सम्मान किया गया, वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों ने गुरुजनों से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन में शिक्षा और संस्कार को अपनाने का संकल्प लिया। गुरु के बिना शिक्षा अधूरी और जीवन निरर्थक है।" इस प्रकार अमरकंटक क्षेत्र में शिक्षक दिवस न केवल उत्सव की तरह मनाया गया, बल्कि यह शिक्षकदृछात्र संबंध की गहराई और गुरु शिष्य परंपरा के महत्त्व को भी पुनः स्थापित करने का अवसर बना।

ड्यूटी के दौरान आरक्षक का आकस्मिक निधन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक निर्मल सिंह पवार निवासी जिला मंदसौर की ड्यूटी के दौरान अचानक मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार निर्मल सिंह पवार साथी पुलिसकर्मी राम सिंह टेकाम के साथ रात्रिकालीन गश्त पर थे। गश्त के दौरान जेल बिल्डिंग सकरिया के पास निर्मल सिंह को अचानक उल्टी हुई।

इस दौरान उनकी हालत नाजुक हो गई और अचानक उनका निधन हो गया। जिसकी जानकारी साथी पुलिसकर्मी श्री टेकाम ने पुलिस अधीक्षक समेत वरिष्ठ अधिकारियों को दी जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी तत्काल पहुंचकर मामले का जायजा लिया। श्री पवार के आकस्मिक निधन पर पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान ने तात्कालिक सहायता के लिए 50 हजार रूपये परिजनों को दिये। श्री पवार के निधन पर रक्षित निरीक्षक श्रीमती ज्योति दुबे व समस्त स्टाफ ने दो मिनट का मौन रख मृतात्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना की। श्री पवार के निधन पर पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मो. इसरार मंसूरी, एसडीओपी सुमित केरकेट्टा, रक्षित निरीक्षक श्रीमती ज्योति दुबे समेत सभी पुलिस कर्मियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

आमांडाड खुली खदान परियोजना के कैंटीन में मारपीट

वाहन चालकों ने रोका काम, दोषियों को नौकरी से निकालने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। रामनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आमाडांड खुली खदान परियोजना में मिट्टी हटाने का कार्य नीलकंठ कंपनी को सौंपा गया है। जबकि कोयला परिवहन का ठेका नीलकंठ ने टीकेएस कंपनी को दिया है। गुरुवार रात करीब 10 बजे खदान परिसर की कैंटीन में विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। सूत्रों के अनुसार, टीकेएस कंपनी के मेंटेनेंस विभाग के राजा और उत्सव ने कैंटीन के दो व्यक्तियों के साथ मिलकर वाहन चालक बजरंगी से मारपीट की। विवाद की वजह खाने-पीने को लेकर हुई, बहस बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को शांत कराया।

वाहन चालक, ऑपरेटरों ने रोका काम

घटना की जानकारी मिलते ही शुक्रवार सुबह वाहन चालकों और ऑपरेटरों ने काम रोक दिया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उन्हें ड्यूटी से हटाने की मांग की। साथ ही घायल बजरंगी के उपचार की भी मांग रखी। मारपीट में घायल वाहन चालक बजरंगी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बजरंगी ने कहाकृ मैं सिर्फ खाना लेने गया था, वहीं अचानक विवाद हो गया। मुझे कई लोगों ने मिलकर मारा। साथी कर्मचारियों ने बचाया, वरना और गंभीर चोट आ सकती थी। अब बस चाहता हूँ कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

प्रबंधन की सख्ती

मामले की गंभीरता को देखते हुए नीलकंठ कंपनी के मैनेजर रामबिशाल दुबे स्वयं मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। उन्होंने दोषी व्यक्तियों को तत्काल नौकरी से बर्खास्त करने और घायल का इलाज कराने के निर्देश दिए। इसके बाद कर्मचारियों की सहमति से खदान का संचालन दोबारा शुरू कराया गया। मैनेजर दुबे ने कहा कंपनी परिसर में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी को तुरंत ड्यूटी से हटाया जाएगा। सभी कर्मचारियों को आपसी भाईचारे के साथ काम करना चाहिए, क्योंकि यहां हर कोई दो पैसे कमाने आया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम व शिक्षक सम्मान समारोह भी हुआ आयोजित

शिक्षक दिवस पर दुधमनिया में हुआ नशा मुक्ति रैली का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत दूधमनिया के केकरपानी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डिप्टी कलेक्टर रमेश सिंह तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच भवन सिंह ने की। शिक्षक दिवस कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम में निकाली गई नशा मुक्ति रैली से हुई। रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीण, शिक्षक, विद्यार्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तख्तियां और नारों के माध्यम से लोगों ने समाज से शराब, तम्बाकू और अन्य नशे को जड़ से खत्म करने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि "नशा केवल व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज का भविष्य बर्बाद करता है। ग्रामीण जन जागरूक होकर इसे रोकने में सहयोग करें। स्वस्थ और नशा मुक्त समाज ही वास्तविक अर्थों में विकास कर सकता है। पूर्व डिप्टी कलेक्टर रमेश सिंह ने कहा कि "युवाओं को नशे से दूर रखना ही सबसे बड़ी सामाजिक सेवा है। शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों में नशामुक्त जीवन की प्रेरणा जगाएँ, क्योंकि यही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।

स्वावलंबन की दिशा में पहल

कार्यक्रम में मुस्कान स्वच्छता समूह द्वारा मिनी आटा चक्की का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्घाटन श्रीमती प्रीति सिंह ने किया। उन्होंने इस पहल को महिलाओं की आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की दिशा में सराहनीय कदम बताया। नशा मुक्ति रैली और शुभारंभ के बाद पंचायत प्रांगण में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। बच्चों और युवाओं ने समाज सुधार, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

अंजुमन कमेटी ने किया वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर अंजुमन इस्लामिया कमेटी अनूपपुर द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, दिन भर चले कार्यक्रमों के उपरांत देर शाम बच्चों के कार्यक्रम के साथ, इस वर्ष कक्षा 10वीं और 12वीं में पास हुए बच्चो को पुरस्कृत करने के साथ ही पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई पत्रकारों का सम्मान समारोह जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष इरसाद अहमद,के मुख्य अतिथि व सदर लियाक़त अली, की अध्यक्षता में आयोजित अंजुमन कमेटी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें ब्यूरो चीफ मनोज शुक्ला, ब्यूरो चीफ चैतन्य मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार आदर्श दुबे को प्रतीक चिन्ह देकर इन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष इरशाद अहमद ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है और पत्रकार की भूमिका मार्गदर्शन की होती है,वर्तमान समय में पत्रकारिता वाकई बहुत मुश्किल काम है। पत्रकारों को फ़ेक न्यूज़ और गलत सूचना से निपटना पड़ता है, जिस कारण विश्वसनीयता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही उन्हें आर्थिक दबाव, राजनीतिक विरोध, और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है, जबकि उन्हें सटीक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग के अपने मूल सिद्धांतों पर भी खरा उतरना होता है।

छात्रों को भी किया गया सम्मानित

मध्य प्रदेश क बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल द्वारा चलाई जा रही एक कदम शिक्षा की तरफ.. कार्यक्रम के तहत अनूपपुर मे भी मुस्लिम समाज के कक्षा 10वीं और 12वीं पास किये विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें पढ़ने के लिए स्टेशनरी सामग्रियों प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया, सदर लियाकत अली ने जानकारी देती है बताया कि मध्य प्रदेश के वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जनाब सनवर पटेल जी की मंसा है की शिक्षा के बिना समाज सुधार न तो संभव है और न देश प्रदेश की कल्पना की जा सकती है। मप्र वक्फ बोर्ड ने इसी धारणा को आगे रखते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देने का बीड़ा उठाया है। इस मंशा को पूरा करने के लिए वक्फ संपत्तियों से होने वाली आमदनी का आधा हिस्सा जरूरतमंद विद्यार्थियों पर खर्च करने का फैसला लिया है। हम कोशिश करेंगे की अपने क्षेत्र में शिक्षा के लिए बेहतर कार्य करूं।

अमरकंटक में रेलवे रिजर्वेशन केंद्र ठप्प

सर्वर की समस्या से पखवाड़े से बंद पीआरएस, तीर्थयात्रियों को झेलनी पड़ रही भारी परेशानी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक

मध्यप्रदेश की पावन धरा, मां नर्मदा, सोन और जोहिला नदियों के उद्गम स्थल, पवित्र नगरी अमरकंटक में इन दिनों एक गंभीर समस्या यात्रियों और श्रद्धालुओं को झकझोर रही है। डाकघर परिसर में स्थित रेलवे का रिजर्वेशन केंद्र (पीआरएस) पिछले पंद्रह दिनों से अधिक समय से बंद पड़ा है। इस केंद्र पर आने वाले देश के विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालु और पर्यटक टिकट न मिलने से मायूस होकर लौट रहे हैं। सर्वर की समस्या का बहाना बनाकर रेलवे ने अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया, जिससे यात्रियों का भरोसा टूटता जा रहा है।

यात्रियों की परेशानी, बढ़ा आर्थिक बोझ

रेलवे रिजर्वेशन न होने के चलते यात्रियों को अब पेंड्रा रोड या अनूपपुर जैसे दूरस्थ स्टेशनों का रुख करना पड़ रहा है। इसके लिए उन्हें न सिर्फ अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ रहा है, बल्कि समय भी बर्बाद हो रहा है। स्थानीय नागरिक बताते हैं कि कई बार तीर्थयात्री अंतिम समय में टिकट न मिलने से अपनी यात्रा स्थगित करने को मजबूर हो जाते हैं। तीर्थयात्रा पर आए श्रद्धालु कहते हैं कि जब अमरकंटक जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक स्थल पर ही टिकट की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, तो यह रेलवे के दावों पर सवाल खड़ा करता है।

धार्मिक आयोजनों के बीच संकट

इस समय अमरकंटक के अनेक आश्रमों और कथा स्थलों में श्रीमद्भागवत महापुराण, शिव महापुराण और नर्मदा महापुराण की कथाएँ चल रही हैं। इन आयोजनों में प्रतिदिन 300 से 400 भक्त सम्मिलित हो रहे हैं। सात दिवसीय कथा उपरांत जब श्रद्धालु अपने गृह क्षेत्र लौटने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें टिकट न मिलने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रेलवे की इस लापरवाही से उनकी आस्था को ठेस पहुँच रही है और वे विवश होकर आसपास के बड़े स्टेशनों पर निर्भर हो रहे हैं।

रेलवे के दावे और जमीनी हकीकत

रेलवे प्रशासन अक्सर तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुविधा हेतु आधुनिक सेवाएँ उपलब्ध कराने का दावा करता है। अमृत महोत्सव के नाम पर योजनाएँ और घोषणाएँ भी होती रही हैं, लेकिन अमरकंटक जैसी जगह, जहाँ हर वर्ष लाखों श्रद्धालु पश्चिम बंगाल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुँचते हैं, वहाँ पर रिजर्वेशन सुविधा का लगातार बंद रहना इन दावों की पोल खोल रहा है। स्थानीय डाकघर के उपडाकपाल ने कई बार रेलवे बिलासपुर को स्थिति से अवगत कराया है, लेकिन विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है।

सवालों के घेरे में स्थानीय जनप्रतिनिधि

जनता का कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन भी इस विषय पर सक्रिय नहीं दिखाई दे रहे। जबकि अमरकंटक की पहचान देशभर में नर्मदा उद्गम स्थल के रूप में है और यहाँ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारें लाखों रुपये खर्च करती हैं। फिर भी, ऐसी छोटी मगर अहम सुविधा का बाधित रहना, यात्रियों की परेशानियों को और बढ़ा देता है। अमरकंटक में कोई अधिकृत रेलवे एजेंट नहीं होने से समस्या और गंभीर हो गई है। अमरकंटक के नागरिकों, साधु-संतों और तीर्थयात्रियों ने एकजुट होकर रेलवे प्रशासन, बिलासपुर मंडल, अनूपपुर जिला प्रशासन और शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सभी का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या अमरकंटक की छवि और यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव को गहराई से प्रभावित करेगी। जन आवाज़ साफ है कि अमरकंटक में पीआरएस सेवा तत्काल बहाल होनी चाहिए।

अनूपपुर पुलिस के नवाचार से बढ़ेगी सुरक्षा की रफ्तार

सड़क दुर्घटना में जाने वाली जिंदगी को सुरक्षित करने पुलिस की सराहनीय पहल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

सड़क दुर्घटना में कमी लाने और लोगों के जीवन को सुरक्षित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वाहन चालको का जीवन को सुरक्षित करने के उद्देश्यो से अनूपपुर पुलिस नवाचार करते हुए जिले में हेलमेट बैंक की शुरुआत की है, जिसमे क्यूआर कोड के माध्यम से स्कैन कर आप अपना रजिस्ट्रेशन कर हेलमेट ले सकते हैं। यह तीन दिवस मुफ्त रहेगा। इसके बाद प्रत्येन दिवस का सरचार्ज लगेगा। हेलमेट बैंक की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह निश्चित तौर पर एक नवाचार है और इससे लोगों में जागरूकता के साथ-साथ अपने जीवन के प्रति एक सतर्कता भी देखने को मिलेगी। अनूपपुर यातायात पुलिस निश्चित तौर पर जागरूकता लाने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से यह अभियान चला रही है। शनिवार को हेलमेट बैंक का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के द्वारा किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अनूपपुर यातायात पुलिस लगातार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए तरह-तरह के नवाचार कर रहीं है, जिसमे हेलमेट बैंक के भी शुरुआत की गई है ताकि लोग सफर के दौरान सुरक्षित रहे। आमतौर पर यह देखने को मिलता है कि सड़क दुर्घटनाओं में कई लोग अपनी जान इसलिए गवा देते हैं कि वह सफल के दौरान दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग नहीं करते हैं आंकड़े बता रहे हैं की लगातार यातायात पुलिस के द्वारा किए गए नवाचार के कारण वर्ष 2024 में जहां मार्च से जुलाई के बीच में 147 दुर्घटनाएं हुई है जिसमें 201 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं वहीं 79 लोग अपने अपनी जान गवाही हैं लेकिन हेलमेट की चलानी करवाई और ड्रिंक एंड ड्राइव केस के मामले में आई कमी के चलते वर्ष 2025 में मृतकों की संख्या में 14 प्रतिशत से भी अधिक कमी देखने को मिली है जहां 2025 में 69 लोगों ने अपनी जान कमाई है वहीं घायल 190 हुए हैं कुल मिलाकर 152 दुर्घटनाएं अभी तक बताई गई। यातायात प्रभारी विनोद दुबे ने बताया कि हेलमेट बैंक यातायात पुलिस संचालित कर रही है, जहां पर महिला व पुरुष दोनों वर्गों के लिए हेलमेट उपलब्ध है। धीरे-धीरे मांग के आधार पर यह हेलमेट आगे भी उपलब्ध कराए जाएंगे। हेलमेट बैंक से पुलिस की शुरूआत करने का उद्देश्य है कि सड़क दुर्घटना में जाने वाली जिंदगी को सुरक्षित किया जा सके। वहीं कई बार गंभीर घायल भी दुर्घटना का शिकार होकर अपनी जान गवा बैठते हैं और कई बार यह भी देखने को मिला है कि हेलमेट न होने के कारण सफर के दौरान आदमी की जान भी चली जाती है ऐसे में यह हेलमेट उनको सुरक्षित रखने में का काम करेगा। इस हेलमेट बैंक से आने वाले समय में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास होगा। जिस किसी को भी हेलमेट की आवश्यकता है वह कोड को स्कैन कर उसमें अपना रजिस्ट्रेशन करें और अपनी पूरी जानकारी भरने के पश्चात बैंक में आकर अपना हेलमेट प्राप्त कर सकते हैं। यह हेलमेट उन्हें 3 दिन के लिए मुफ्त में दिया जाएगा और तीन दिन में उन्हें हेलमेट वापस करना होगा। ऐसे में व्यापारी छात्र वर्ग और तमाम लोग इस हेलमेट बैंक का लाभ ले सकते हैं।